869/859
24/3/2014

दैनिक जागरण
जागरण सिटी पृ. III
24.03.2014

सरसों की फसल की करें कटाई

दिल्ली में अभी बारिश की संभावना के मद्देनजर किसानों को जल्द पकी हुई सरसों की फसल की कटाई कर लेनी चाहिए। सरसों की फली का रंग यदि 75 से 80 फीसद तक भूरा हो चुका हो तो उसे पका हुआ समझना चाहिए। वैज्ञानिकों का कहना है कि फलियों के अधिक पकने की स्थिति में दाने झड़ने की संभावना रहती है। इसके अलावा अधिक समय तक कटी फसलों को सूखने के लिए खेत पर रखने से चितकबरा बग से नुकसान होने की संभावना रहती है। ऐसे में गहाई का कार्य भी जल्द कर लेना चाहिए। गहाई के बाद फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए। इससे कीटों की संख्या कम करने में मदद मिलती है।

भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने किसानों को सलाह दी है कि इस तापमान में मक्का की अफ्रीकन टाल प्रजाति व शंकर लोबिया की पूसा कोमल व पूसा सुकोमल प्रजाति की बुवाई की जा सकती है। इसके अलावा बेबी कॉर्न की एचएम-4 किस्म की भी बुवाई की जा सकती है। इस मौसम में किसानों को सब्जियों खासकर टमाटर, बैंगन, मेथी व मूली की सब्जियों में चेपा कीट के प्रकोप की निगरानी करते रहना चाहिए। इस कीट के नियंत्रण के लिए इमिडाक्लोप्रिड की एक चौथाई मिलीलीटर मात्रा को एक लीटर पानी की मात्रा में मिलाकर सब्जियों की तुड़ाई के बाद छिड़काव करना चाहिए, लेकिन ऐसा साफ मौसम में ही करने की सलाह वैज्ञानिकों ने दी है। सब्जियों की फसल पर छिड़काव के बाद एक सप्ताह तक तुड़ाई नहीं करनी चाहिए। फ्रेंच बीन, सब्जी लोबिया, चौलाई, भिंडी, लौकी, खीरा, तोरई व गर्मी के मौसम वाली मूली की सीधी बुवाई के लिए यह मौसम पूरी तरह उपयुक्त है। मौसम को ध्यान में रखते हुए किसान टमाटर, मिर्च व कद्दूवर्गीय सब्जियों के तैयार पौधों की रोपाई इस सप्ताह कर सकते हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि लालडी कीट की निगरानी बेल वाली सब्जियों में करते रहना चाहिए। यदि लालडी कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड कीटनाशी की एक मिलीलीटर मात्रा को चार लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव किया जाना चाहिए। इस मौसम में समय से बोई गई प्याज की फसल में परपल ब्लोच रोग की निगरानी करते रहना चाहिए। यदि इसकी संभावना नजर आए तो डाईथेन एम-45 या रिडोमिल की दो से तीन ग्राम मात्रा को एक लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए।

Sunita Gupta 24/3/14
प्रभारी समाचार पत्र अनुभाग

प्रतिलिपि:-
1. निदेशक कार्यालय
2- संयुक्त निदेशक (प्रसार)
3- अधिष्ठाता/संयुक्त निदेशक (शिक्षा)